M	T	W	T	F	S	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

· OCTOBER 2016

भारत में चीनी उद्योग -1

B.A. Part - II
Paper - III
Unit - III

Birendra Kr Agam
Dept of Geography
Raja Singh College Siwan

भारत के महत्वपूर्ण उद्योगों में से एक है चीनी उद्योग। यह भारत में सूतीवस्त्र के बाद सबसे बड़ा कृषि आधारित संगठित उद्योग है। विश्व में चीनी गन्ने, चुकन्दर, शकरकंद तथा अन्य कई मीठे पदार्थों से बनाई जाती है परन्तु भारत में चीनी का मुख्य स्रोत गन्ना ही है।

हमारे देश में गुड़, शक्कर, खांडसारी आदि कुटीर उद्योग के रूप में प्राचीन काल से ही चला आ रहा है। आधुनिक चीनी उद्योग बीसवीं शताब्दी की ही देन है।

विश्व में स्थिति

भारत विश्व में ब्राजील के बाद चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है जबकि यह विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है।

व्यापकता

इस उद्योग से चार लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और बड़ी संख्या में किसानों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान ~~करता~~ हुआ है।

चीनी उद्योग का विकास

यद्यपि भारत में गुड़ तथा खाण्डसारी का उद्योग प्राचीन काल से ही है परन्तु आधुनिक चीनी उद्योग 20वीं शताब्दी में ही विकसित हुई।
चीनी उद्योग भारत में सबसे पहले बेतिया (प० चम्पारण, बिहार) में 1840ई० में लगाया गया था। आधुनिक चीनी उद्योग का श्रीगणेश 1903ई० से होता है। इस उद्योग का वास्तविक विकास 1931ई० से प्रारंभ होता है जिस समय सरकार द्वारा पहली बार इस उद्योग को संरक्षण दिया गया। बिहार तथा उत्तर प्रदेश में कई मिलें स्थापित की गई। 2011 में 667 मिलें भारत में थी।

Locational Factor of sugar Industry

चीनी उद्योग की अवस्थिति में सबसे अधिक महत्व गन्ने का है। चीनी के उत्पादन लागत में सबसे ज्यादा अर्थात 50% से अधिक व्यय गन्ने पर होता है। सामान्यतः 100 टन गन्ने से 10-12 टन चीनी प्राप्त होती है अर्थात गन्ने के कुल भार में से 9-12% ही चीनी का उत्पादन होता है। गन्ना एक ह्रासमान पदार्थ

या भार ह्रासी पदार्थ है। अतः गन्ने की कटाई एवं पेराई साथ-साथ
9 होनी चाहिए नहीं तो अधिक देर होने पर गन्ने का रस सूखने लगता है।
भारत में आज
10 भी अधिकांश गन्ना बैलगाड़ियों से ही ढोया जाता है। अतः खेत से
चीनी मिल की दूरी अधिकतम 20-25 Km तक हो सकती है। यदि
11 ट्रैक्टर, ट्रक व रेलवे का प्रयोग किया जाय तभी भी 70-75 Km से
अधिक दूरी तक नहीं ले जाया जा सकता क्योंकि इससे परिवहन
12 व्यय बढ़ता है और रस सूखने लगता है।
उपरोक्त बातों से स्पष्ट है कि
1 चीनी उद्योग गन्ना क्षेत्र में ही स्थापित होना चाहिए।

2 भारत में चीनी उद्योग का वितरण

3 भारत में चीनी उद्योग के दो विशिष्ट क्षेत्र हैं -
उत्तर भारत - उत्तर प्रदेश व बिहार मुख्य उत्पादक
दक्षिण भारत - महाराष्ट्र व तमिलनाडु मुख्य उत्पादक
4 उपरोक्त के अलावा उत्तर भारत में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व गुजरात
5 राज्य भी चीनी का उत्पादन करते हैं जबकि दक्षिण भारत में कर्नाटक
व आंध्रप्रदेश भी चीनी उत्पादन करते हैं।

6 Sugar Industry in North India:

7 Uttar Pradesh:
यह राज्य चीनी का परंपरागत उत्पादक है। यह लंबे समय तक चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य रहा है। अब इसका सापेक्षिक महत्त्व कम हो गया है।
प्रमुख उत्पादक क्षेत्र: गंगा-यमुना दोआब तथा तराई क्षेत्र प्रमुख हैं।
गंगा-यमुना दोआब: सहारनपुर, मेरठ, मुजफ्फरनगर आदि
तराई क्षेत्र: लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, बस्ती, देवरिया, सीतापुर, गोंडा, फैज़ाबाद आदि।
इन दोनों के बीच मुरादाबाद, बरेली, बिजनौर, शाहजहांपुर, आदि प्रमुख केन्द्र हैं।